CS (Main) Exam, 2018

वियोज्य *DETACHABLE*

हिन्दी (प्रश्न पत्र II)
(साहित्य)

HINDI (Paper II)
(LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घण्टे Time Allowed : Three Hours	अधिकतम अंक : 250 Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पांच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.**

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 150 शब्दों में ऐसी व्याख्या कीजिए कि इसमें निहित काव्य-मर्म भी उद्घाटित हो सके : 10×5=50

1.(a) प्रकृति जोई जाके अंग परी ।
स्वान-पूँछ कोटिक जो लागै सूधि न काहु करी ।
जैसे काग भच्छ नहिं छाँड़ै जनमत जौन घरी ।
धोये रंग जात कहु कैसे ज्यों कारी कमरी ।
ज्यों अहि डसत उदर नहिं पूरत ऐसी धरनि धरी ।
सूर होउ सो होउ सोच नहिं, तैसे हैं एउ री ।। 10

1.(b) सुनु रावन ब्रह्मांड निकाया । पाइ जासु बल बिरचति माया ।
जाके बल बिरंचि हरि ईसा । पालत सृजत हरत दससीसा ।
जा बल सीस धरत सहसासन । अंडकोस समेत गिरि कानन ।
धरइ जो बिबिध देह सुरत्राता । तुम्ह से सठन सिखावनु दाता ।
हर कोदंड कठिन जेहिं भंजा । तेहि समेत नृप दल मद गंजा । 10

1.(c) पावक सो नयननु लगै जावकु लाग्यो भाल ।
मुकुरु होहुगे नैंक मैं, मुकुरु बिलोको लाल ।।
तखिन-कनकु कपोल-दुति बिच ही बीच बिकान ।
लाल लाल चमकतिं चुनीं चौका-चीन्ह-समान ।। 10

1.(d) उषा की पहिली लेखा कांत,
माधुरी से भींगी भर मोद;
मदभरी जैसे उठे सलज्ज
भोर की तारक-द्युति की गोद । 10

1.(e) अवतरित हुआ संगीत स्वयंभू
जिसमें सोता है अखण्ड
ब्रह्मा का मौन
अशेष प्रभामय । 10

2.(a) नीरस निर्गुण मत में कबीर ने 'ढाई आखर' जोड़ने की पहल किससे प्रेरित हो कर की और क्यों ? अपने कथन की पुष्टि कीजिए । 20

2.(b) जायसी की सौन्दर्य-संचेतना में उनकी ऊहा शक्ति साधक रही है या बाधक ? सोदाहरण समझाइए । 15

2.(c) "निराला कृत 'कुकुरमुत्ता' में व्यंग्य-विद्रूप के साथ भारतीय अस्मिता का जयघोष है"— युक्तियुक्त उत्तर दीजिए । 15

3.(a) ''कुरुक्षेत्र में युग प्रबुद्ध उद्विग्न मानस का जो द्वन्द्व चित्रित हुआ है, उससे उसकी प्रबन्धात्मकता भी प्रभावित हुई है ।'' पक्षापक्ष विमर्श कीजिए । 20

3.(b) ''मुक्तिबोध रचित 'ब्रह्मराक्षस' की उपलब्धि है भयानक अंगीरस, तिलिस्मी 'वस्तु' और आवेग-कल्पना-संवेदना का संगम ।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए । 15

3.(c) 'असाध्य वीणा' के किरीटी तरु में जो ध्वनियाँ समाहित हुईं और वीणा वादन के बीच जो ध्वनियाँ झंकृत हुईं उनके साम्य वैषम्य पर विचार प्रस्तुत कीजिए । 15

4.(a) 'सुन्दर' शब्द पर विचार करते हुए 'सुन्दरकांड' के वस्तु-शिल्प-सौन्दर्य की विवेचना कीजिए । 20

4.(b) हिन्दी भ्रमरगीत-परंपरा में सूरदास कृत भ्रमरगीत का वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए । 15

4.(c) ''कामायनी'' को 'चेतना का सुन्दर इतिहास' और 'अखिल मानव-भावों का सत्य'– शोधक काव्य क्यों कहा गया है ? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए । 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका भाव-सौंदर्य प्रतिपादित कीजिए : (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) 10×5=50

5.(a) भगवान् सोम की मैं कन्या हूँ । प्रथम वेदों ने मधु नाम से मुझे आदर दिया । फिर देवताओं की प्रिया होने से मैं सुरा कहलाई और मेरे प्रचार के हेतु श्रौत्रामणि यज्ञ की सृष्टि हुई । स्मृति और पुराणों में भी प्रवृत्ति मेरी नित्य कही गई । तंत्र केवल मेरी ही हेतु बने । संसार में चार मत बहुत प्रबल हैं । इन चारों में मेरी चार पवित्र प्रेम मूर्ति विराजमान हैं । 10

5.(b) श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है । जब पूज्य भाव की वृद्धि के साथ श्रद्धा भाजन के सामीप्य-लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रूपों के साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्ति का प्रादुर्भाव समझना चाहिए । 10

5.(c) उस हिमालय के ऊपर प्रभात-सूर्य की सुनहरी प्रभा से आलोकित प्रभा का, पीले पोखराज का सा, एक महल था । उसी से नवनीत की पुतली झाँक कर विश्व को देखती थी । वह हिम की शीतलता से सुसंगठित थी । सुनहरी किरणों को जलन हुई । तप्त हो कर महल को गला दिया । पुतली ! उसका मंगल हो, हमारे अश्रु की शीतलता उसे सुरक्षित रखे । कल्पना की भाषा के पंख गिर जाते हैं, मौन-नीड़ में निवास करने दो । छेड़ो मत मित्र ! 10

5. (d) संस्कृति में सदैव आदान-प्रदान होता आया है, लेकिन अंधी नकल तो मानसिक दुर्बलता का ही लक्षण है । पश्चिम की स्त्री आज गृह स्वामिनी नहीं रहना चाहती । भोग की विदग्ध लालसा ने उसे उच्छृंखल बना दिया है । लज्जा और गरिमा को, जो उसकी सबसे बड़ी विभूति थी, चंचलता और आमोद-प्रमोद पर वह होम कर रही है । 10

5. (e) सौन्दर्य का ऐसा साक्षात्कार मैंने कभी नहीं किया । जैसे वह सौन्दर्य अस्पृश्य होते हुए भी मांसल हो । तभी मुझे अनुभव हुआ कि वह क्या है, जो भावना को कविता का रूप देता है । मैं जीवन में पहलीबार समझ पायी कि क्यों कोई पर्वत-शिखरों को सहलाती हुई मेघ-मालाओं में खो जाता है, क्यों किसी को अपने तन-मन की अपेक्षा आकाश से बनते-मिटते चित्रों का ईतना मोह हो रहता है । 10

6. (a) ''गोदान न केवल ग्रामीण जीवन का, बल्कि समूचे भारतीय जीवन की समस्याओं तथा यत्किंचित् सम्भावनाओं का आख्यान है ।'' इस स्थापना का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण कीजिए । 20

6. (b) 'मैला आँचल' 'ग्राम कथा' की कलात्मक परिणति है या 'आंचलिकता' की स्वतंत्र संरचना ? भारतीय आंचलिक उपन्यासों के परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट कीजिए । 15

6. (c) 'महाभोज' में समसामयिक अव्यवस्था का मात्र निदान है अथवा विधेयात्मक समाधान भी ? तर्क पूर्वक समझाइए । 15

7. (a) ''गुप्त-कालीन प्रामाणिक इतिहास का अनुलेखन एवं कल्पनाधारित वस्तु-संयोजन 'स्कंदगुप्त' में परिलक्षित होते हैं ।'' इस कथन की सप्रमाण संपुष्टि कीजिए । 20

7. (b) 'नाट्यरासक' या 'लास्यरूपक' की शिल्प-विधि की दृष्टि से 'भारत दुर्दशा' का तात्त्विक मूल्यांकन कीजिए । 15

7. (c) 'चीफ की दावत' में नौकरशाही में व्याप्त स्वार्थ-लिप्सा के मनोविज्ञान का उद्‌घाटन कीजिए । 15

8. (a) आचार्य शुक्ल के निबन्धों की विभिन्न कोटियों का परिचय देते हुए मनोभावों से संबन्धित निबंधों का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए । 20

8. (b) 'दिव्या' में लेखक की यथार्थभेदी दृष्टि से भारत के स्वर्णकाल का इतिहास विरूपित हुआ है या अभिमण्डित ? युक्तियुक्त उत्तर दीजिए । 15

8. (c) उपन्यास की भाषा को कथ्य का अनुसरण करना क्या श्रेयस्कर माना जाएगा ? 'मैला आंचल' के संदर्भ में तर्क प्रस्तुत कीजिए । 15